संपादकीय

सेमीफाइनल के निष्कर्ष

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों ने जहां लंबे अर्से बाद कार्यकर्ताओं को कांग्रेस मुख्यालय पर पटाखे फोड़ने-गुलाल उड़ाने का मौका दिया है वहीं भाजपा नेतृत्व के माथे पर चिंता की लकीरें उभार दी हैं। निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम चौंकाने वाले हैं, मगर बाकी परिवर्तन आशाओं के अनुरूप ही रहे। यह बात माननी पड़ेगी कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान तीन बार सत्ता में रहने के बावजूद राज्य के बड़े नेता के रूप में कायम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर निश्चित रूप से राहुल गांधी का कद ऊंचा हुआ है। विपक्षी नेता के रूप में उनकी स्वीकार्यता इन चुनाव परिणामों के बाद बढ़ेगी। विपक्ष सत्तापक्ष पर और मुखर हमलावर होगा। राजस्थान में पांच साल में सत्ता परिवर्तन की इबारत स्पष्ट पढ़ी जा रही थी, मगर जैसा कि कयास लगाया जा रहा था कि भाजपा का सूपड़ा साफ हो जायेगा, वैसा नहीं हुआ। भाजपा नेतृत्व नुकसान के दायरे को कम करने में सफल रहा। कहीं न कहीं राजस्थान व मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी में सत्ता के कई ध्रुव होने और ग्रासरूट स्तर पर संगठन की कमजोरी के चलते आकांक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई।

यहां यह तथ्य विचारणीय है कि यदि राजस्थान व मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार गंवाने के बावजूद लाज बचा पाई तो कहीं न कहीं कांग्रेस के विभिन्न धड़ों द्वारा टिकट बंटवारे में सावधानी बरतने में चूक हुई। तेलंगाना में टीआरएस ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। वहां के. चंद्रशेखर राव का समय से पहले चुनाव कराने का दांव काम कर गया। पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल करके राज्य में कांग्रेस- टीडीपी गठबंधन को किनारे कर दिया। भाजपा तो इस राज्य में सत्ता की दौड़ में पहले ही हाशिये पर थी। कांग्रेस की वापसी को लेकर बड़े-बड़े निष्कर्ष देने वाले चुनाव पंडितों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पूर्वोत्तर में मिजोरम में कांग्रेस का आखिरी किला भी ध्वस्त हो गया। कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे ललथनहावला दोनों जगहों से चुनाव हार गये। यहां मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता की सबसे बड़ी दावेदार के रूप में उभरा। नि:संदेह इन चुनाव परिणामों ने जहां कांग्रेस समेत विपक्ष को नया उत्साह दिया वहीं भाजपा को भी आत्ममंथन का मौका दिया है। यह भी कि यदि बढ़ते जनाक्रोश को थामा नहीं गया तो वर्ष 2019 के आम चुनावों में राजनीतिक तस्वीर बदलते देर नहीं लगेगी। सहयोगी दलों के किनारा करने को एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। वैसे आकांक्षाओं के अनुरूप विकास व बदलाव न मिलने पर जनता द्वारा बदला हुआ जनादेश देना लोकतंत्र की खूबसूरती ही है।

गलत अकाउंट पर पैसे ट्रांसफर होने पर, ऐसे हो सकते हैं वापस

नई दिल्ली। ऑनलाइन बैंकिंग की वजह से लेन-देन की प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है. इसी वजह से यह बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है. किसी के अकाउंट पर पैसा जमा करना मिनटों का काम हो गया है. इसके लिए किसी बैंक जाने की जरूरत नहीं रह गई है. दिन हो या रात, ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए किसी भी अकाउंट पर रियल टाइम में पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है. लेकिन, टेक्नोलॉजी जितनी एडवांस होती है, सावधानी की भी उतनी ही जरूरत होती है. क्योंकि जरा सी चूक की वजह से पैसा किसी और के अकाउंट पर ट्रांसफर हो सकता है. ऐसे में अगर आपने किसी गलत अकाउंट पर पैसा ट्रांसफर कर दिया है तो जानिए कैसे

पैसा वापस आ सकता है.

सबसे पहले अपने बैंक को जानकारी दें

गलत अकाउंट में पैसा ट्रांसफर होने पर, सबसे पहले अपने बैंक को इसकी सूचना देनी चाहिए. यह सूचना आप मेल या फोन कर दे सकते हैं. इसके लिए अपना अकाउंटर नंबर, मोबाइल नंबर, ट्रांजैक्शन का स्क्रीन शॉट, जिस नंबर पर गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, ये सभी जानकारी आपको अपने बैंक से साझा करनी है. अपने बैंक से सभी जानकारी साझा करने के बाद जिस बैंक अकाउंट में गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, उस बैंक में जाकर इसकी शिकायत करें. RBI के निर्देश के मुताबिक, किसी भी बैंक को यह हक नहीं है कि अपने ग्राहक की अनुमति के बिना वह उनके अकाउंट से किसी तरह का ट्रांजैक्शन करे. साथ ही वह अपने ग्राहक की सूचना भी किसी अन्य से साझा नहीं कर सकते हैं. ऐसे में आपकी शिकायत पर संबंधित बैंक उस अकाउंट होल्डर से पैसे वापस करने की अनुमति मांगेगा. अनुमति मिलने के बाद ही ट्रांजैक्शन को रिवर्ट किया जाएगा. अगर वह अकाउंटर होल्डर पैसा नहीं रिटर्न करना चाहता है तो आप कानूनी सहारा ले सकते हैं. आपकी अपील पर आपका बैंक संबंधित अकाउंट होल्डर के खिलाफ मामला दर्ज करवाएगा. रिजर्व बैंक का यह स्पष्ट निर्देश है कि, अगर गलती से किसी दूसरे अकाउंट में पैसा ट्रांसफर हो गया है तो बैंक आपके बदले जल्द से जल्द कदम उठाएगा. यह जिम्मेदारी आपके बैंक की है कि वह ट्रांजैक्शन को रिवर्ट करने की पूरी कोशिश और व्यवस्था करे.

कैसे होता है ऑनलाइन ट्रांसफर

किसी भी अकाउंट पर दो तरीके- NEFT और RTGS से पैसे ट्रांसफर होते हैं. जिस अकाउंट पर पैसे ट्रांसफर करने हैं पहले उसे अपने अकाउंटर से लिंक करें. अकाउंट लिंक होने के बाद किसी भी वक्त पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं.

मोदी सरकार जल्द जारी करेगी 100 रुपये का नया सिक्का

नई दिल्ली। 100 रुपये का नया सिक्का जल्द ही उपयोग में आने जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर के साथ यह नया 100 रुपये का सिक्का जल्द ही इस्तेमाल में लाने की जानकारी दी है। इस सिक्के का वजन 35 ग्राम रहेगा।

सिक्के के दूसरे हिस्से में वाजपेयी की तस्वीर, उसके निचले हिस्से में देवनागरी लिपि और अंग्रेजी में अटल बिहारी वाजपेयी, 1924-2018 मुद्रित रहेगा।

नेपाल ने 200-500-2000 रुपये के भारतीय नोटों पर लगाया बैन

नई दिल्ली। पड़ोसी देश नेपाल ने भारतीय मुद्रा के चलन पर रोक लगा दी है. दो साल पहले भारत सरकार ने देश में नोटबंदी की थी और अब नेपाल ने 100 रुपये से अधिक के भारतीय नोटों के चलन पर रोक लगा दी है. नेपाल की कैबिनेट ने तत्काल प्रभाव से इस आदेश को लागू करने का आदेश दिया है.नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अब 100 रुपये से ज्यादा के नोट यानी 200, 500 और 2000 रुपये का नोट ना रखें. यानी नेपाल में अब 100 रुपये तक के ही भारतीय नोट मान्य होंगे.

आपको बता दें कि भारत में जब नोटबंदी हुई थी, तब नेपाल में बड़ी मात्रा में 500 और 2000 के पुराने नोट थे. जिसके कारण वो नोट वहां पर ही अटक गए थे. इसी समस्या को देखते हुए नेपाल में अब इन नोटों के इस्तेमाल पर ही रोक लगा दी है.गौरतलब है कि भारतीय मुद्रा नेपाल में आसानी से चलती थी. नेपाल के कई बैंकों में सैकड़ों करोड़ पुराने नोट फंसे हुए थे, जो वापस नहीं हो पाए थे.

बता दें कि 8 नवंबर, 2016 को भारत सरकार ने नोटबंदी का ऐलान किया था, जिसमें 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों पर बैन लगा दिया गया था.

भारत सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना चाहती है

नई दिल्ली। भारत सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना चाहती है। नीति आयोग ने इस सराहनीय उपलब्धि को हासिल करने के लिए औचित्य, रणनीति और कार्ययोजना के साथ रूपरेखा तैयार की है। हम विश्वास करते हैं कि इस तरह की योजना के लिए अलग से उपाय को अपनाने की जरूरत है जो सरसों के किसानों पर ध्यान केंद्रित करे और सरसों को एक फसल के रूप में आगे बढ़ाए।भारतीय परिदृश्य में कृषि,

आर्थिक और पोषकता के क्षेत्र में सरसों की महत्ता बहुत अधिक है। यह देश की सबसे महत्वपूर्ण शरदकालीन तिलहन फसल है। 2015-16 में लगभग 70 लाख हेक्टेयर भूमि पर सरसों की फसल को लगाया गया और इसका उत्पादन 68.2 लाख टन हुआ। इसके साथ ही 2016-17 के लिए उत्पादन अनुमान 79 लाख रखा गया। लाखों किसानों और उनके परिवार इससे अपनी जीविका चलाते हैं।

अगर अन्य तिलहन फसल पर विचार करें तो मूंगफली को केवल 6.39 लाख हेक्टेयर में लगाया गया है, जोकि सरसों फसल के क्षेत्रफल का केवल 10वां भाग है। अलसी (लिनसिड) को 4.01 लाख हेक्टेयर में, सूरजमुखी को 1.74 लाख हेक्टेयर में, तिल के बीज को 0.68 लाख हेक्टेयर में और साफ्फलावर को 0.62 लाख हेक्टेयर में लगाया गया है। सरसों की महत्ता के कारण एक राष्ट्रीय सरसों नीति विकसित की जाए। चाहे वह कृषि सामग्री के तौर पर हो, या भोजन पकाने के तेल के तौर पर हो, चाहे पोषण के स्तर पर हो या फिर सामान्य स्वास्थ्य स्तर पर या विशेष स्तर पर हृदय संबंधी समस्या हो, इन सब में इसकी महत्ता है और हर स्तर पर इसे बढ़ावा देना चाहिए।

टीम इंडिया के पास इस बार पर्थ में तेज पिच की चुनौती

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच में पर्थ के नए स्टेडियम ऑप्टस में कुछ ही देर में शुरू हो रहा है. इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच जीत कर टीम इंडिया जहां आत्मविश्वास से भरी हुई है वहीं ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि इस बार पर्थ की तेज पिच उनकी मदद करेगी जिससे वे सीरीज में वापसी कर सकें.पर्थ स्टेडियम की पिच पिछले पांच दशकों से तेज गेंदबाजों के लिए मददगार रही है और टेस्ट क्रिकेट के बल्लेबाजों की असली परीक्षा इसी स्टेडियम की पिच पर होती है. ऐसे में आस्ट्रेलिया और भारत की टेस्ट टीमें अपने तेज गेंदबाजों पर निर्भर रहते हुए दूसरे टेस्ट मैच के लिए इस स्टेडियम में उतर रहीं है.

इस बार एक बिल्कुल नई पिच दोनों टीमों का स्वागत कर रही है. भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से इस स्टेडियम में खेला जाना है, जिसमें भारत की कोशिश अपनी बढ़त को सीरीज में 2-0 से मजबूत करने की है. वहीं मेजबान टीम इसे 1-1 से बराबर करना चाह रही है. भारतीय टीम ने एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया को 31 रनों से हराकर जीत हासिल की और 1-0 की बढ़त बनाई है.

आज का राशिफल

मेष: लक्ष्मीजी की कृपा आप पर बरसेगी, ऐसा गणेशजी कहते हैं। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। विवाह का आयोजन सफलतापूर्वक होगा लेकिन मध्याह्न के बाद आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृषभ: आज का दिन शुभफलदायी है। व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आपके कार्य की प्रशंसा भी होगी। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य भी सरलतापूर्ण संपन्न होंगे और लाभ भी होगा। दांपत्य जीवन में आमोद-प्रमोद छाया रहेगा।

मिथुन: प्रतिस्पर्धियों और उच्च अधिकारियों के साथ वाद-विवाद न करने की गणेशजी की सलाह है। आमोद-प्रमोद से संबंधित वस्तुओं को खरीदने में खर्च अधिक होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण अच्छा रहेगा।

कर्क: अनैतिक कार्य और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की गणेशजी की सलाह है। वाणी पर संयम रखें। परिवार में तकरार ना हो, इसका ध्यान रखें। मध्याह्न के बाद विदेश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंह: स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप प्रसन्न रहेंगे। मित्रों तथा संबंधियों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनाएंगे। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारों के साथ चर्चा सकारात्मक होगी।

कन्या: आपके स्वभाव में आज कुछ अधिक संवेदनशीलता रहेगी। कार्य सफलता से प्रफुल्लित रहेंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

तुला: अपनी बौद्धिक शक्ति से आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसलिए यात्रा को टाल दें। आकस्मिक खर्च के योग हैं। मध्याह्न के बाद कार्य-सफलता मिलने से मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक: आज विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। स्वभाव में हठीलापन छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो अनेक समस्याओं का छुटकारा मिलेगा। नए वस्त्राभूषण तथा प्रसाधन के पीछे धन का खर्च अधिक होने की आशंका है।

धनु: शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आज बना रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन बनेगा। मित्रों के साथ समय का आनंदपूर्वक सदुपयोग हो जाएगा।

मकर: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। धार्मिक कार्यों और उपासना के पीछे धन का खर्च हो सकता है। मध्याह्न के बाद आपका मन प्रफुल्लता का अनुभव करेगा।

कुंभ: आज आध्यात्मिक विषयों की तरफ झुकाव अधिक रहेगा। शारीरिक प्रफुल्लता और मानसिक प्रसन्नता दिनभर बनी रहेगी। मध्याह्न के बाद आप धार्मिक कार्यों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मीन: धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय सावधानी बरतें, ऐसा गणेशजी कहते हैं। किसी के भी कार्य में विघ्न न डालें। वाणी और ोध पर संयम बरतें।

जानिए क्यू फेंग शुई में बांस को बहुत शुभ और अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है

चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई घर और कार्यालय में कुछ खास तरह के पौधों को रखना बहुत ही शुभ माना गया है।

ऐसे पौधों से घर में सुख और समृद्धि आती है। फेंग शुई में बांस को बहुत ही शुभ और अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है। फेंगशुई के अनुसार भाग्यशाली बांस को घर या दफ्तर में रखने से समृद्धि, स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा आती है। आइए जानते हैं फेंगशुई के इस पौधे की विशेषता। घर में आर्थिक

सम्पन्नता और सुख-शांति के लिए इस भाग्यशाली बांस के पौधे को रखने का सबसे अच्छी दिशा पूर्व या दक्षिण दिशा होती है। दक्षिण-पूर्व दिशा को सकारात्मक ऊर्जा के लिहाज से यह सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है।बांस का यह पौधा फेंग शुई के सभी पांच तत्वों पृथ्वी, आग, धातु, पानी और लकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पत्थर के छोटे टुकड़े पृथ्वी के तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। बर्तन में मौजूद जल, जल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं और सभी बांस डंठलों को बांधने वाला लाल रिबन अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता हैं।फेंगशुई के इस पौधे में बांस के कई डंडल होते हैं जो अलग-अलग चीजों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2019 के वर्ल्डकप में ये 4 नए नियम होंगे लागू

जयपुर। 2019 के विश्व कप की तैयारियां जोरों शोरों पर चल रही है। विर्ल्डकप इंग्लैंड में खेला जाने वाला है। आज हम आपको ऐसे 4 नियमों के बारे बताने जा रहे है जो 2015 में नहीं थे लेकिन 2019 में उनको विश्वकप में उपयोग लिया जा सकता है।, सबसे पहला नियम है कि 40 ओवरों के बाद 5 खिलाड़ी बाहर रह सकते है। साल 2015 विश्व कप में 40 ओवरों के बाद केवल 4 खिलाड़ी ही 30 यार्ड के

बाहर रह सकते है। लेकिन 2019 के वर्ल्ड कप में ऐसा नहीं है बल्कि 2019 में अब 5 खिलाड़ियों को 30 यार्ड से बाहर रखने की अनुमति दी गई है।

हवा में बेट होगा तो उसको आउट नहीं दिया जाएगा

2015 के वर्ल्डकप में अगर कोई खिलाड़ी का बेट रन आउट होते समय क्रीज की लाइन पर हवा में होता था तो उसको आउट मान लिया जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है नियम को 2019 में बदल दिया गया है 2019 के वर्ल्ड कप में बेट एक बार क्रीज के पार पहुच गया तो उसको आउट नही लिया जाएगा चाहे वो हवा में ही क्यों नहीं हो।

अब लाल कार्ड भी लागु होगा क्रिकेट में पहले चेतावनी के रूप में कोई भी कार्ड का उपयोग नहीं किया जाता था लेकिन साल 2019 वर्ल्डकप में पहली बार लाल कार्ड का उपयोग किया जाएगा।

हर तरह की गेंद में फ्री हिट दी जाएगी

वर्ल्डकप 2015 में सिर्फ पैर नो बॉल पर ही फ्रीहिट मानी जाती थी लेकिन 2019 वर्ल्डकप में सभी तरह की नो बॉल पर फ्रीहीट मानी जाएगी।

मालरोट बनानेकी विधि

अलग-अलग प्रकार की रेसिपी का स्वाद लेना किसे अच्छा नही लगता। फिर वो चाहे इंडियन फूड हो या चाइनिज फूड। सभी स्वाद हमें उस रेसिपी की तरफ आकर्षित करती है। यदि आप रोज एक ही तरह के स्वाद से परेशान हो गए हैं तो आज हम आपको हैदराबादी मालरोट की रेसिपी बताने जा रहे हैं।

सामग्री-
रोट बनाने के लिए सामग्री
घी एक कप
गाढ़ा दूध एक कप
आटा या मैदा -1/2 किलोग्राम
केसर पत्तियां दूध में भीगी हुईं 6 से 7
पानी जरूरत के हिसाब से
नमक स्वादानुसार।
रोट बनाना
मालरोट का मसाला
लालमिर्च -1/2 छोटा चम्मच
कालीमिर्च -1/2 छोटा चम्मच
चाट मसाला एक छोटा चम्मच
भुना जीरा -1/2 छोटा चम्मच
पुदीना (सूखा पीसा)- 1/2 छोटा चम्मच
गरम मसाला-1/4 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर एक छोटा चम्मच
आमचूर -1/2 छोटा चम्मच
नमक -1/2 छोटा चम्मच

विधि- सबसे पहले सभी मसाले के चीजों को मिलाकर मसाला बना लें। घी, दूध, मैदा, नमक, केसर, पानी सभी को मिलाकर रोटी का आटा गूंथ लें और दस मिनट के लिए छोड़ दें।उसके बाद रोटी बेल लें। अब रोटी पर तैयार मसाला डालें और रोल कर लें। अब इस रोल को जलेबी की तरह मोड़ लें। अब इसे हल्के हाथ से मोटा बेलकर धीमी आंच पर सेक लें।

शब्द सामर्थ्य-17

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

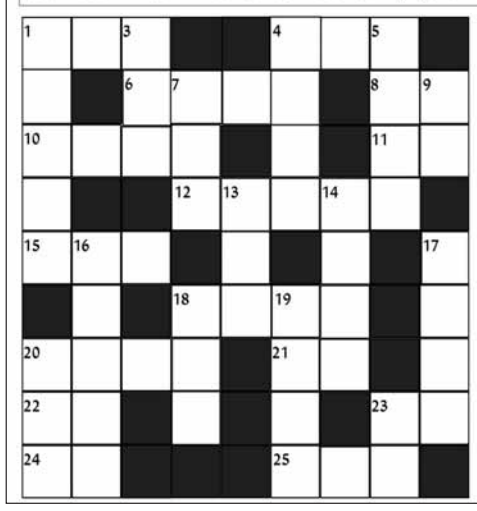

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 16 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू-17

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.16का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	■	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5